THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI RAMESHWAR THAKUR): (a) Yes, Sir;

(b) The Tax Reforms Committee under the Chairmanship of Dr. Raja J. Chelliah, in its final report, has recommended that the existing system of Permanent Account Members (PAN) should be substituted by a new Taxpayer Identification Number (TIN), and should be allotted to and obtained by, all persons and institutions (individuals, Hindu Undivided Families, associations of persons, companies, firms, etc.) who satisfy certain requirements identified by the Committee. The Committee has further recommended that the work relating to TIN should be on an all India Computer Network with an online TIN Directory so as to eliminate posibilities of frauds through benami or multiple numbers and it should be ensured that all the potential tax payers and those who have important business transactions obtain the tax identification number. Also, according to the Committee, a statutory obligation should be cast on all TIN allottees to quote their TIN in all important economic transactions;

(c) and (d) the recommendations of the Chelliah Committee are still under consideration of the Government.

Raids of HMT godown

4243. SHRI GOPALSINH J. SOLANKI:
SHRI ANANTRAY DEVSHANKER DAVE:

Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Bombay customs had raided the HMT Godown and found that customs duties of more than Rs. 300 crore, was not paid and was not billed according to the rules of Customs Department;

(b) whether any complaint has been registered against H.M.T. by Custom Department; and

(c) if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI RAMESHWAR THAKUR): (a) to (c) Information is being collected and will be laid on the Table of the House.

गुजरात में नशीले पदार्थों का जब्त किया जाना

4244. **श्री गोपाल सिंह जी० सोलंकी :** क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान प्रत्येक वर्ष में गुजरात में नशीले पदार्थों की तस्करी के कितने मामलों का पता लगाया गया है और उन से जब्त किए गए नशीले पदार्थों का ब्यौरा क्या है ;

(ख) इस संबंध में कितने मामले दायर किए गए हैं; और

(ग) जप्त किए गए नशीले पदार्थों का निपटान किए जाने संबंधी ब्यौरा क्या है ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री रामेश्वर ठाकुर) : (क) स्वाप्क नियंत्रण ब्यूरो मे उपलब्ध रिकार्ड के अनुसार औषध अवैध व्यापार के मामलों ब्यौरे के तथा गुजरात में पिछले ।। : वर्षों दौरान जब्त

किए गए मादक द्रव्यों के ब्यौरे भी निम्न प्रकार हैं :

	1989	1990	1991
पता चले मामलों की कुल संख्या	76	24	23
जब्त किए गए मादक द्रव्य (मात्रा कि० ग्रा० में)			
अफीम	98	7	1
हेरोइन	17	5	2
गांजा	27	29	26
हशीश	29	2	36

(ख) इस संबंध मे ब्यौरे आसानी से उपलब्ध नहीं है तथा गुजरात सरकार से मंगवाए जा रहे हैं।

(ग) सीमा शुल्क निवारण समाहर्तालय, अहमदाबाद द्वारा वर्ष 1989 के दौरान 48 किलो ग्राम हेरोइन 309 किलोग्राम चरस तथा 62 किलोग्रम गांजा नष्ट किया गया था। वर्ष 1990 व 1991 में जब्त किए गए स्वापक औषधों के नष्ट किए जाने की कोई सूचना है

भारतीय औद्योगिक पुनर्निर्माण बैंक द्वारा गुजरात को दी गई वित्तीय सहायता

4245. **श्री गोपाल सिंह जी. सोलंकी :** क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले पांच वर्षों के दौरान भारतीय औद्योगिक पुनर्निमार्ण बैंक ने गुजरात के रुग्ण उद्योगों को कितनी वित्तीय सहायता प्रदान की है ;

(ख) ऐसी सहायता का उद्योगवार ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या सरकार इस समय गुजरात राज्य के किसी रुग्ण एकक को वित्तीय सहायता देने का विचार रखती है ; और

(घ) यदि हां, तो प्रत्येक एकक को कितनी वित्तीय सहायता देने का विचार है ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री दलबीर सिंह) :(क) और (ख) पिछले 5 वर्षों के दौरान अखिल भारतीय औद्योगिक पुनर्निमार्ण बैंक द्वारा गुजरात राज्य में रुग्ण उद्योगों को दी गई सहायता का उद्योग वार ब्यौरा संलग्न विवरण मैं दिया गया है।

(ग) और (घ) जी नहीं। तथापि, रुग्ण एकक जिन्हें तकनीकी आर्थिक सम्भाव्यता अध्ययन के बाद सम्भावित अर्थक्षम घोषित किया जाता है, उन्हें/प्रत्येक मामले के आधार पर बैंकों। संस्थानों द्वारा वित्तीय सहायता देने पर विचार किया जाता है।